हरिभूमि

तापमान
अधि. 45.9°C न्यून. 25.4°C

रोहतक भूमि

धूं-धूं करके जलीं दुकानें

आग में घिरा डी पार्क

एसी के कम्प्रेसर में ब्लास्ट से लगी आग

■

रोहतक शू के शोरूम से शुरू हुई लपटें

■

देखते ही देखते 10 दुकानों तक फैल गई

■

तीन लोग और करोड़ों का कारोबार राख

2:15 बजे दोपहर जूते के शोरूम में लगी आग

2:35 बजे तक तेजी से फैली और 10 दुकानें घेर लीं

2:45 बजे के आसपास पहुंचीं दमकल की गाड़ियां

शहर में आग का ऐसा तांडव देखकर कांप उठी रुह, तीन लोग जिंदा जल गए, हर कोई बोला-ऐसी मंजर नहीं देखा

जलते रहे सपने, बिलखते रहे अपने

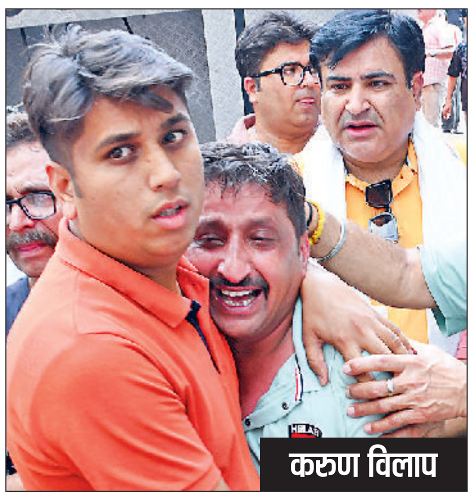

करुण विलाप

असहनीय पीड़ा

टूटी उम्मीद

अब कहां जाएं

किसी का बेटा जल गया तो किसी का भाई चाहकर भी कुछ नहीं कर पाए बाहर खड़े परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दोपहर का समय था। डी-पार्क मार्केट में रोज की तरह चहल-पहल थी। दुकानदार ग्राहकों को सामान दिखाने में व्यस्त थे और बाजार में खरीदारी का सिलसिला जारी था। तभी अचानक एक दुकान के बाहर लगे एसी के कम्प्रेसर में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ उठी चिंगारी ने कुछ ही मिनटों में ऐसा विकराल रूप धारण कर लिया कि पूरी मार्केट आग के समंदर में तब्दील हो गई। आग इतनी भयावह थी कि दस दुकानें उसकी चपेट में आ गईं और तीन लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। करीब पांच घंटे तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन देर रात तक मलबे के भीतर आग सुलगती रही। प्रशासन ने पूरे डी-पार्क क्षेत्र को सील कर दिया है और मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी है। इस दौरान पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, आईजी सिमरदीप सिंह, एसपी गौरव राजपुरोहित, उपायुक्त सचिन गुप्ता, निगम कमिश्नर नरेंद्र कुमार, एसडीएम आशीष वशिष्ठ समेत जिला प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही।

घटना के बाद सबसे दर्दनाक पहलू उन लोगों का रहा जो आग लगने के दौरान दुकानों के भीतर मौजूद थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तीन लोग अंदर फंसे थे, जिनके शव बरामद हो चुके हैं। इनकी पहचान सौरभ, कपिल, अमन के रूप में हुई है।

धमाके के बाद मची अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब 1 बजकर 35 मिनट पर एक दुकान के बाहर लगे एसी के कम्प्रेसर में तेज धमाका हुआ। शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य तकनीकी खराबी समझा, लेकिन कुछ ही सेकेंड में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लपटें आसपास की दुकानों तक पहुंच गईं। आग की चपेट में दो जनरल स्टोर, एक जूस की दुकान और सात जूते-चप्पलों की दुकानें आ गईं। दुकानों में रखा ज्वलनशील सामान आग को और भड़काता चला गया। कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में काले धुएं का गुबार छा गया और बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

घटनास्थल पर सबसे मार्मिक दृश्य उन परिवारों का था जो अपने प्रियजनों की तलाश में घंटों तक मलबे के बाहर खड़े रहे। जैसे-जैसे समय बीतता गया, परिजनों की चिंता बढ़ती गई। कई महिलाएं और बुजुर्ग मौके पर बिलखते नजर आए। किसी की आंखें अपने बेटे को तलाश रही थीं तो कोई भाई के सुरक्षित लौट आने की उम्मीद लगाए बैठा था। कपिल का शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया और आसपास मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

20 साल से रोहतक शू पर काम कर रहा था नेहरू कॉलोनी का कपिल

मृतक कपिल के भाई ने बताया कि कपिल पिछले करीब 20 वर्षों से रोहतक शूज की दुकान पर कार्यरत था। कपिल नेहरू कॉलोनी में रहता था। वह अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था और अपनी मेहनत व मिलनसार स्वभाव के कारण क्षेत्र में अच्छी पहचान रखता था। कपिल अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने भी शोक व्यक्त किया। कपिल की अचानक मौत से नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिवार में अकेला कमाने वाला था बाबरा मोहल्ले का अमन

मृतक अमन के चाचा विकास यादव ने बताया कि अमन बाबरा मोहल्ला में परिवार के साथ रहता था। वह मेहनती और व्यवहार कुशल व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। वह परिवार में अकेला कमाने वाला था। अमन अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गया है। घटना की खबर मिलते ही परिवार और परिचितों में मातम छा गया। परिजनों का कहना है कि अमन परिवार की जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाता था और बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहता था। उसकी असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। मोहल्ले के लोगों ने भी दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

एनडीआरएफ, डॉक्टरों की टीम तैनात

अग्निकांड की सूचना मिलते ही प्रशासन ने सभी आपातकालीन एजेंसियों को सक्रिय कर दिया। मौके पर एंबुलेंस, डॉक्टरों की टीम और एनडीआरएफ के जवान तैनात किए गए। संभावित घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता देने के लिए मेडिकल टीम लगातार तैयार रही। वहीं एनडीआरएफ की टीम मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटी रही।

दीवार काटकर बनाया रास्ता

आग इतनी भीषण थी कि कई दुकानों के भीतर सीधे प्रवेश करना संभव नहीं था। ऐसे में दमकल विभाग और बचाव दल ने ग्रेंडर मशीनों की सहायता से दुकानों की दीवारें काटीं। दीवारों में रास्ता बनाकर अंदर पानी छोड़ा गया और आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। कई स्थानों पर छतों के रास्ते पहुंचना पड़ा। पुलिस और बचावकर्मी रस्सियों के सहारे इमारतों की छतों पर पहुंचे और वहां से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

करोड़ों का नुकसान, स्वाह हो गई जीवनभर की पूंजी

प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्राथमिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। जूते-चप्पलों, जरनल स्टोर का सामान, फर्नीचर और अन्य सामग्री पूरी तरह जलकर राख हो गई। कई दुकानदारों की वर्षों की मेहनत कुछ ही घंटों में खत्म हो गई। आग बुझने के बाद जब दुकानदारों ने अपनी दुकानें देखीं तो वहां सिर्फ राख और मुड़ी हुई लोहे की संरचनाएं बची थीं।

आसपास की सभी दुकानें बंद करवाईं

धुएं को देखकर आसपास के लोगों की भीड़ वहां जमा होने लगी। पुलिस ने मौके पर आकर लोगों से दूर जाने की अपील की। वहीं आसपास की सभी दुकानों को बंद करवाया गया। वाहनों को हटवाया गया। दुकानों के साथ में लगी रेहड़ियां भी जल्दी जल्दी में हटवाई गईं। अगर समय पर वह रेहड़ियां नहीं हटती तो फास्ट फूड की रेहड़ियों में भी आग लगनी थी। आसपास भंयकर भय का माहौल रहा।

डी पार्क अग्निकांड ने खोली इमरजेंसी में सिस्टम की पोल

पढ़िए पेज-12

बड़ा सवाल

30 मिनट देरी से क्यों पहुंची दमकल की गाड़ियां ? टल सकता था बड़ा हादसा

डी पार्क पर मंगलवार को हुई आगजनी की घटना को विकराल रुप धारण करने से बचाया जा सकता था। अगर समय रहते दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच जाती। हादसे में दस से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। जबकि चार लोगों की मौत की सम्भावनाएं हैं। घटना से व्यापारियों और दुकानदारों में गहरा रोष है। आरोप है कि आग लगने की सूचना समय पर देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी करीब 30 मिनट बाद मौके पर पहुंची। तब तक आग एक दुकान से फैलकर तीन दुकानों तक पहुंच चुकी थी।

व्यापारियों का कहना है कि यदि दमकल विभाग की टीम समय रहते पहुंच जाती तो इतना बड़ा नुकसान टाला जा सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों और व्यापारियों ने फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम और संकरी सड़कों के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में देरी होती है। प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं में समय पर राहत पहुंच सके। हालांकि व्यापारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभालने और राहत कार्यों में सहयोग देने के लिए पुलिस प्रशासन की सराहना भी की। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को खाली करवाया और बचाव कार्यों में मदद की। प्रशासन नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ मामले की जांच में जुटा हुआ है।

हांफ रहा दमकल विभाग : 11 लाख लोगों का जिम्मा 12 गाड़ियों पर

रोहतक में दमकल व्यवस्था आबादी के बोझ तले हांफती नजर आ रही है। 11 लाख से अधिक आबादी वाले जिले की सुरक्षा का जिम्मा महज 12 दमकल गाड़ियों के कंधों पर है। शहर का लगातार बढ़ता दायरा और ट्रैफिक जाम की समस्या आग जैसी आपात स्थितियों में चुनौती को और बढ़ा देती है। हालात यह हैं कि शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में फायर ब्रिगेड को 35 से 40 मिनट तक का समय लग जाता है। ऐसे में आग लगने की घटनाओं में शुरुआती कुछ मिनटों में ही भारी नुकसान होने का खतरा बना रहता है। हाल ही में शहर के डी-पार्क क्षेत्र में लगी आग की घटना ने दमकल विभाग की सीमित संसाधनों वाली व्यवस्था को फिर से चर्चा में ला दिया है। व्यापारियों का कहना है कि यदि दमकल वाहन समय पर पहुंच जाते तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। जिले में औद्योगिक इकाइयों, बाजारों, बहुमंजिला इमारतों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके मुकाबले दमकल संसाधनों में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आबादी और शहर के विस्तार को देखते हुए फायर स्टेशनों और दमकल वाहनों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत बन गया है, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

ये हैं अति संवेदनशील मार्केट

- शहर के गांधी कैंप, रेलवे रोड, शौरी मार्केट, प्रताप चौक, किला रोड, गोहाना अड्डा, बड़ा बाजार आदि ऐसे अति संवेदनशील मार्केट हैं।
- शौरी मार्केट और बड़ा बाजार में तो फायर गाड़ी ले जाने के लिए पर्याप्त जगह ही नहीं है। इसके अलावा अन्य बाजारों में अतिक्रमण और जाम की वजह से गाड़ी आने की जगह नहीं है।
- बहुमंजिला भवनों में आगजनी की घटनाओं के समय भी बहुत चुनौती का सामना करना पड़ता है। साथ ही विभाग के पास हाइड्रा लिफ्ट की सुविधा भी नहीं है।

सात जिलों से मंगवानी पड़ीं 50 दमकल

आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्थानीय दमकल विभाग के संसाधन कम पड़ गए। इसके बाद रोहतक, समेत जींद, भिवानी, हिसार, हांसी, सोनीपत, झज्जर के सात जिलों से दमकल विभाग की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। करीब 50 दमकल गाड़ियों ने एक साथ मोर्चा संभाला। दोपहर 1:35 बजे शुरू हुआ अभियान शाम 6:30 बजे तक लगातार चलता रहा। दमकल कर्मियों ने कई दिशाओं से पानी की बौछार कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

देर रात तक सुलगती रही राख

दमकल विभाग ने शाम साढ़े छह बजे के आसपास आग पर नियंत्रण पा लिया था, लेकिन इसके बावजूद कई दुकानों के भीतर आग सुलगती रही। मलबे के नीचे से धुआं निकलता रहा, जिसके चलते दमकल विभाग की टीमें देर रात तक मौके पर डटी रहीं। अधिकारियों का कहना है कि पूरी तरह से शीतलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नुकसान का सही आकलन किया जा सकेगा।

हादसे के बाद पूरा इलाका सील

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने डी-पार्क के चारों तरफ का इलाका पूरी तरह सील कर दिया। आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई ताकि राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। पुलिस बल लगातार भीड़ को नियंत्रित करने में जुटा रहा। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल के आसपास जमा हो गए थे, जिन्हें सुरक्षा कारणों से दूर रखा गया।

...बस राख ही बची

एसी ने बढ़ाई चिंता
समय पर सर्विस न करवाना और ज्यादा इस्तेमाल हादसों की वजह

- भीषण गर्मी के बीच एयर कंडीशनर (एसी) का बढ़ता उपयोग कई बार गंभीर हादसों की वजह भी बन जाता है। हाल के दिनों में एसी कंप्रेशर ब्लास्ट और उससे लगने वाली आग की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।
- विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, एसी कंप्रेशर ब्लास्ट का मुख्य कारण समय पर सर्विस न कराना, गैस का अत्यधिक दबाव, खराब वायरिंग, ओवरलोड बिजली सप्लाई और घटिया या पुराने पुर्जों का इस्तेमाल है।
- लगातार कई घंटों तक एसी चलाने से भी कंप्रेशर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे आग लगने या विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

आईएसआई मानक वाले उपकरणों का प्रयोग करें, सावधानी बरतना भी जरूरी

एसी इंजीनियर अशोक नैन सलाह देते हैं कि एसी की नियमित सर्विस कराएं, बिजली के तारों और एमसीबी की समय-समय पर जांच कराएं तथा आईएसआई मानक वाले उपकरणों का ही उपयोग करें। एसी के आसपास ज्वलनशील सामग्री न रखें और किसी प्रकार की असामान्य आवाज, स्पार्किंग या जलने की गंध आने पर तुरंत एसी बंद कर तकनीशियन से जांच करवाएं। उन्होंने बताया कि सेंसर खराब होने से कंप्रेशर पर कट्रोल खत्म हो जाता है। वह या तो कम काम करेगा या ज्यादा करेगा। ज्यादा कूलिंग करने पर पाइप लाइन में दबाव बनता है और टयूब फट कर गैस बाहर आ जाती है। ऐसे कुछ मामलों में आग लग सकती है। - अशोक नैन

खबर संक्षेप

युवक पर हुई फायरिंग में आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। कलानौर निवासी मोबाइल रिपेयरिंग दुकानदार मुकेश पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि मुकेश की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मुकेश ने विश्वकर्मा धर्मशाला के पास मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान कर रखी है। 10 मई की शाम दो युवक मोबाइल ठीक करवाने उसकी दुकान पर पहुंचे, लेकिन मुकेश ने काम करने से मना कर दिया।

जींद रोड लूटकांड में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। जींद रोड स्थित कृष्णा डेयरी गोल चक्कर के पास हुई लूट की वारदात में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात के दौरान छीनी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 16 मई 2026 को चांद नगर निवासी प्राकृत की शिकायत पर थाना सदर में मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि प्राकृत अपने दोस्त पराग के साथ चंडीगढ़ से रोहतक लौट रहा था। जींद रोड पर कृष्णा डेयरी गोल चक्कर के पास आउटर बाईपास पर पराग के कहने पर गाड़ी रोकी गई। इसी दौरान एक बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे और दोनों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी।

बाइक सवार दो युवक गांजे सहित गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की एसडीयू टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को गांजे सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 693 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया तथा उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। रिफ्तार युवकों की पहचान जतीन पुत्र सुरेंद्र निवासी रोहद, जिला झज्जर तथा साबिर पुत्र मोहम्मद नबी निवासी बिहार के रूप में हुई।

हथियार के बल पर हुई लूट का खुलासा, दो काबू

रोहतक। गांव करौथा के पास हथियार के बल पर की गई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रोहित अपने दोस्त सुमित के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी में रोहतक से गुरुग्राम की ओर जा रहा था। रास्ते में गांव करौथा स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास दोनों ने लघुशंका के लिए गाड़ी रोकी। इसी दौरान तीन अज्ञात युवक वहां पहुंचे और हथियार दिखाकर रोहित को धमकाया। आरोपियों ने रोहित का मोबाइल फोन और स्कॉर्पियो की चाबी छीन ली। इसके बाद वे रोहित की गाड़ी और मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए।

रोहतक में गर्मी का कहर जारी, 0.7 डिग्री बढ़कर पारा 45.9 डिग्री पहुंचा

दोपहर बाद बूंदाबांदी से मिली मामूली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार की तुलना में मंगलवार को अधिकतम तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। गर्मी की भीषणता को लेकर प्रदेश में जिला दूसरे दिन भी टॉप पर ही था। आईएमडी चंडीगढ़ के मुताबिक मंगलवार को रोहतक का अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सोमवार को यह 45.2 डिग्री सेल्सियस था। लगातार बढ़ती गर्मी और तेज धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से ही सूरज के तीखे तेवर देखने को मिले। दोपहर के समय गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों ने हालात और अधिक कठिन बना दिए। शहर की सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में कम आवाजाही रही। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को कपड़ों से ढंककर चलते नजर आए। बाजारों में दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा और लोगों ने घरों में रहना ही बेहतर समझा।

ऐसा रहा मौसम

दिनभर की भंयकर तपिश के बाद शाम को पांच बजे के करीब मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। शहर के कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई, जिससे वातावरण में थोड़ी नमी बढ़ी और लोगों को गर्मी से मामूली राहत महसूस हुई। हालांकि बारिश बहुत कम होने के कारण तापमान पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल अगले कुछ दिनों तक गर्मी से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है।

पीजीआई में मनाया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का10वां स्थापना दिवस

10 वर्षों में इस योजना से लाखों महिलाओं को लाभ मिला चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पीजीआईएमएस के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व की जानकारी देते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

पीजीआईएमएस के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का 10वां स्थापना दिवस विशेष कैंप के रूप में मनाया गया। यह आयोजन सीनियर प्रोफेसर डॉ. सविता सिंघल के दिशा निर्देशन में किया गया।

सिविल सर्जन कार्यालय से प्राप्त पत्र के अनुसार, राज्य मुख्यालय पंचकूला के निर्देशानुसार 9 जून 2026 को 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए पीजीआईएमएस निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, स्त्री रोग विभाग को विशेष कैंप आयोजित करने का अनुरोध किया गया था। इसी अनुपालना में विभाग द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच की गई। सीनियर प्रोफेसर डॉ. सविता सिंघल ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का उद्देश्य हर गर्भवती महिला को दूसरी और तीसरी तिमाही में कम से कम एक बार विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच उपलब्ध कराना है। इससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की समय रहते पहचान कर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। कैंप में महिलाओं के हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन और यूरिन की जांच की गई। साथ ही अल्ट्रासाउंड एवं अन्य जरूरी टेस्ट भी किए गए। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें विशेष परामर्श दिया गया और आवश्यकतानुसार अस्पताल में भर्ती की सलाह दी गई। डॉ. सविता सिंघल ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व हर महिला का अधिकार है। 10 वर्षों में इस योजना से लाखों महिलाओं को लाभ मिला है। हमारा प्रयास है कि कोई भी गर्भवती महिला जांच से वंचित न रहे। विभाग द्वारा आईईसी सामग्री के माध्यम से महिलाओं को पोषण, टीकाकरण और संस्थागत प्रसव के लिए जागरूक किया गया।

पोषक आहार के बारे दी जानकारी

इस अवसर पर विभाग के सभी चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल टीम ने सक्रिय सहयोग दिया। गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम की गोलियां और पोषक आहार के बारे में जानकारी भी दी गई। डॉ कृष्णा दहिया ने बताया कि कार्यक्रम में बताया गया कि योजना के तहत हर महीने की 9 तारीख को विशेष दिवस मनाया जाता है। 10वीं वर्षगांठ पर इस मुहिम को और गति देने का संकल्प लिया गया। विभाग का लक्ष्य है कि रोहतक जिले में शत-प्रतिशत सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जाए। स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ पुष्पा दहिया ने कहा कि पीजीआईएमएस का स्त्री रोग विभाग मातृ स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस तरह के कैंप नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ श्वेता, डॉ मोनिका, डॉ पारुल, एएनएम और सभी स्टाफ उपस्थित रहा।

नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ ड्रग विभाग का शिकंजा

छापेमारी में टैपेंटाडोल व प्रेगाबालिन के 1220 पत्ते बरामद, दुकान सील

ड्रग विभाग और एंटी नारकोटिक सेल की संयुक्त टीम की अचानक छापेमारी से हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। सेक्टर-2-3 की मॉर्केट में मेडिकल स्टोर संचालक की दुकान पर जांच करते जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी मनदीप मान व उनकी टीम।

शहर में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार की देर शाम सेक्टर-2-3 मार्केट में उस समय हड़कंप मच गया, जब ड्रग विभाग और एंटी नारकोटिक सेल की संयुक्त टीम ने एक मेडिकल स्टोर पर अचानक छापा मार दिया। जांच के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में ऐसी दवाएं मिलीं, जिनका रिकॉर्ड और खरीद संबंधी दस्तावेज संचालक प्रस्तुत नहीं कर सका। कार्रवाई के दौरान टैपेंटाडोल के 1100 पत्ते और प्रेगाबालिन के 120 पत्ते बरामद किए गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने मेडिकल स्टोर को मौके पर ही सील कर दिया और संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ड्रग विभाग को काफी समय से सेक्टर-2-3 क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर से संदिग्ध तरीके से दवाओं की बिक्री किए जाने की सूचनाएं मिल रही थीं। इसके बाद जिला औषधि नियंत्रण विभाग और एंटी नारकोटिक सेल ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। सोमवार देर शाम को टीम ने मेडिकल स्टोर पर दबिश दी और वहां रखे दवा स्टॉक की बारीकी से जांच की।

इन दवाओं के दुरुपयोग की आशंका

जांच के दौरान अधिकारियों को टैपेंटाडोल और प्रेगाबालिन की भारी मात्रा मिली। दोनों दवाएं चिकित्सकीय परामर्श पर उपयोग की जाती हैं, लेकिन इनके दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए इनकी खरीद-बिक्री और भंडारण के लिए निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। टीम ने जब मेडिकल स्टोर संचालक से दवाओं के खरीद बिल और अन्य दस्तावेज मांगे तो वह कोई संतोषजनक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाया।

रिकॉर्ड नहीं मिलने पर की कार्रवाई

जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी मनदीप मान ने बताया कि बरामद दवाओं के संबंध में मेडिकल स्टोर संचालक कोई वैध बिल या रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। प्रथम दृष्टया मामला नियमों के उल्लंघन का प्रतीत होता है। इसी आधार पर मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है और संचालक के खिलाफ नियमानुसार केस दर्ज कराया गया है। मामले की गहन जांच जारी है।

सप्लाई चेन की भी होगी जांच

जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी मनदीप मान का कहना है कि अब यह पता लगाया जाएगा कि इतनी बड़ी मात्रा में दवाएं कहां से खरीदी गईं और उनकी आपूर्ति किन लोगों तक की जा रही थी। जांच के दौरान दवाओं की खरीद, बिक्री और स्टॉक से जुड़े सभी पहलुओं को खंगाला जाएगा। जरूरत पड़ने पर अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है।

न्यूज डायरी

स्वदेशी जागरण मंच का स्वदेशी अपनाने पर मंथन

रोहतक। स्वदेशी जागरण मंच रोहतक इकाई द्वारा आयोजित जिला विचार वर्ग का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत संगठक कुलदीप उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संजय सोनी ने भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांत विश्वविद्यालय प्रमुख डॉ. प्रदीप गहलोत ने की। इस अवसर पर विभाग संयोजक चंद्रशेखर पाठक ने युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए अपने विचार रखे। रोहतक इकाई के संयोजक डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने बाबा कालीदास धाम पहुंचकर लिया संतों का आशीर्वाद

सांपला। धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना के केंद्र सिद्ध पीठ श्री शिव शक्ति बाबा कालीदास धाम में आयोजित 11 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण अष्टलक्ष्मी अखंड महायज्ञ के दौरान अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौणा मीन ने पहुंचकर महामंडलेश्वर स्वामी श्री कालीदास महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर स्वामी श्री कालीदास महाराज ने उनका विधिवत स्वागत किया तथा मां भगवती आदिशक्ति दुर्गा भवानी से उनके मंगलमय जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने यज्ञ स्थल पर पहुंचकर हवन-पूजन में भाग लिया और धर्म लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संत-महात्मा, श्रद्धालु एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सेक्टर-दो में लीकेज पाइपलाइन की मरम्मत शुरू

रोहतक। सेक्टर दो-तीन पार्ट में दी लीटल श्री स्कूल के पास डिवाइडिंग रोड के साथ पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी को ठीक करने का कार्य आखिरकार हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने शुरू कर दिया है। पिछले कई दिनों से पाइपलाइन से लगातार पानी रिस रहा था, जिससे हजारों नहीं बल्कि लाखों लीटर पेयजल सड़कों और नालों में बहकर बर्बाद हो गया। मामले के सामने आने के बाद अब विभाग ने मरम्मत कार्य शुरू किया है। मालूम रहे कि गत शुक्रवार को पाइपलाइन में लीकेज की समस्या सामने आई थी। लोगों के अनुसार लाइन से लगातार पानी बह रहा था और सड़क किनारे जलभराव जैसी स्थिति बन गई थी। इसके बावजूद कई दिनों तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में पेयजल व्यर्थ बहता रहा। अब जब मामला चर्चा में आया तो प्राधिकरण ने पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया है। सेक्टर तीन पार्ट के धर्मवीर सिंह कहते हैं कि यदि समय रहते लीकेज को ठीक कर दिया जाता तो लाखों लीटर पानी बचाया जा सकता था। लोगों ने विभाग की निगरानी और रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।

पीजीआईएमएस सतलोक आश्रम के साथ प्रदेश में बढ़ाएगा अंगदान जागरूकता : डॉ. एसके सिंघल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मर कर भी किसी को जीवन दे जाना, इससे बड़ा धर्म कोई नहीं। इसी भाव को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पीजीआईएमएस रोहतक के निदेशक एवं सोटो हरियाणा की स्टीयरिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ. एसके सिंघल ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। डॉ. सिंघल ने गत दिवस सतलोक आश्रम के प्रमुख संत रामपाल महाराज से मुलाकात कर अंगदान महादान के लिए उनका सहयोग मांगा। डॉ. सिंघल ने बताया कि 26 जून से 28 जून तक सतलोक आश्रम, धनाना में होने वाले विशाल सत्संग समागम में सोटो हरियाणा का विशेष अंगदान जागरूकता कैंप लगाया जाएगा। इस तीन दिवसीय कैंप में पीजीआईएमएस सोटो की टीम श्रद्धालुओं को अंगदान की पूरी प्रक्रिया, ब्रेन डेड की स्थिति और कानूनी पहलुओं की जानकारी देगी। साथ ही मौके पर ही इच्छुक लोगों से अंगदान का शपथ पत्र भरवाया जाएगा। लक्ष्य है कि एक ही आयोजन में हजारों लोगों को इस मुहिम से जोड़ा जाए।

बोले निदेशक

डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि सोटो हरियाणा की स्टीयरिंग कमेटी का चेयरमैन होने के नाते मेरा एक ही सपना है कि अंगदान के मामले में हरियाणा को पूरे देश में नंबर एक बनाया जाए। एक ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान से करीब 8 लोगों को नया जीवन मिल सकता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हर साल लाखों लोग अंग न मिलने से दुनिया छोड़ देते हैं। इस तस्वीर को बदलने के लिए हमें समाज के हर वर्ग को जोड़ना होगा।

महिला आयोग चेयरपर्सन रेनु भाटिया के खिलाफ गरजीं महम की नर्सें

- उपमंडल स्तरीय नागरिक अस्पताल महम की नर्सों ने कहा रेनू भाटिया मांफी मागे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। उपमंडल स्तरीय नागरिक अस्पताल महम में रोष प्रदर्शन करता नर्सिंग स्टाफ।

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनु भाटिया के एक बयान को लेकर प्रदेश में बवाल खड़ा हो गया है। उनके इस बयान से प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। नर्सों ने महिला आयोग की चेयरमैन रेनु भाटिया के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। नर्सों का कहना है कि भाटिया को पद से हटाया जाना चाहिए और उन्हें अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए। इसी कड़ी में मंगलवार को महम के उपमंडल स्तरीय नागरिक अस्पताल में नर्सों ने सांकेतिक हड़ताल कर अपनी नाराजगी जताई। इस दौरान उन्होंने भाटिया के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। नर्सिंग स्टाफ ने न केवल सांकेतिक हड़ताल रखी, बल्कि एसएमओ के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भेजा है।

यह है पूरा मामला

मामले की शुरुआत महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनु भाटिया के उस कथित बयान से हुई, जिसमें उन्होंने कुरुक्षेत्र के सरकारी अस्पताल की एक नर्सिंग ऑफिसर को अपनी बेटी को 15 मिनट अकेले छोड़ने की बात कही थी। इस बयान पर नर्सिंग एसोसिएशन ने कड़ा ऐतराज जताया है। एसोसिएशन का कहना है कि यह बयान बेहद असंवेदनशील है और समाज में महिलाओं व बेटियों की सुरक्षा और उनके सम्मान को लेकर बेहद गलत संदेश देता है। विवाद बढ़ने के साथ ही अब इस मामले को राजनीतिक और सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है। सर्व कर्मचारी संघ महम ब्लॉक के प्रधान राजेंद्र डाबला ने नर्सिंग ऑफिसर्स की मांगों का पुरजोर समर्थन किया है।

युवक से 258 ग्राम हेरोइन बरामद

रोहतक। पुलिस की एएनसी स्टाफ टीम ने गश्त के दौरान एक स्कूटी सवार युवक को नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी से 258 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एएनसी स्टाफ की टीम गऊकर्ण पार्क के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि खोखरा कोट क्षेत्र का एक युवक हेरोइन बेचने का काम करता है। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूटी सवार युवक को शक के आधार पर रोका और उसकी तलाशी ली। गिरफ्तार युवक की पहचान राजु निवासी रैनकपुरा, खौखरा कोट के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 258 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने थाना शहर में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

सम्मेलन प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 100 किसानों ने नित्यानंद स्कूल में किया मंथन

जैविक खेती करने वाले किसानों ने साझा किए अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैविक और प्राकृतिक खेती को केवल खेती की तकनीक नहीं, बल्कि किसानों के स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और उपभोक्ताओं के भरोसे से जोड़ते हुए मंगलवार को नितानंद स्कूल में जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। क़ुदरती खेती अभियान, हरियाणा द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश के 11 जिलों से 100 से अधिक किसानों, शोधकर्ताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भाग सम्मेलन के पहले सत्र में किसानों ने प्राकृतिक खेती के अपने अनुभव और नवाचार साझा किए। झज्जर के सेह्लंगा गांव के किसान भीम सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया या वीडियो देखकर नई फसलें अपनाने के बजाय पहले छोटे हिस्से में उनका परीक्षण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वे गेहूं के साथ चना, मटर और धनिया की मिश्रित खेती करते हैं। इससे सहफसलों की पैदावार भले कम मिले, लेकिन गेहूं की उपज बेहतर रहती है।अभियान के सलाहकार प्रो. राजेंद्र चौधरी ने जैविक किसान बिक्री समूह की सदस्यता प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि सदस्यता उसी किसान को दी जातीहै जो कम से कम तीन वर्षों से पूरी तरह रसायन मुक्त खेती कर रहा हो और जिसकी पुष्टि अन्य किसान खेत का निरीक्षण कर करें।

सवा एकड़ भूमि पर जैविक खेती कर रहे रविंद्र

सम्मेलन में बरवाला से पहुंचे किसान रविंद्र कुमार ने बताया कि वे करीब सवा एकड़ भूमि पर जैविक खेती कर रहे हैं। एक एकड़ में धान और गेहूं की खेती करते हैं, जबकि शेष भूमि पर सब्जियां और कुछ फलदार पौधे लगाए हैं। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पादों की मार्केटिंग आज भी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। किसानों को जोड़ने और जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्होंने शुद्ध अन्नदाता नाम से व्हाट्सएप समूह भी बनाया हुआ है, जिसके माध्यम से जैविक खेती से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

खेती के मॉडल को समझने दिल्ली से पहुंची सोनिया

दिल्ली से सम्मेलन में पहुंची सोनिया ने कहा कि वह योग में मास्टर डिग्री हासिल कर चुकी हैं और प्राकृतिक खेती के मॉडल को समझने के लिए यहां आई हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में वह नीम आधारित उत्पादों पर काम करना चाहती हैं। सोनिया ने कहा कि प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर फूल कुमार के अनुभव और कार्यशैली ने उन्हें काफी प्रभावित किया है।

पिछले 15 वर्षों से जैविक खेती कर रहे संजीव

कंसाला गांव के किसान संजीव ने बताया कि वे अपनी 20 एकड़ जमीन में से चार एकड़ पर पिछले 15 वर्षों से जैविक खेती कर रहे हैं। गन्ना, गेहूं और बागवानी उनकी प्रमुख फसलें हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती अपनाने के बाद उनके परिवार की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है और डॉक्टर के पास जाने की जरूरत लगभग समाप्त हो गई है। उन्होंने अपनी एक एकड़ भूमि में गोशाला भी विकसित की है। संजीव का दावा है कि एक गाय के माध्यम से एक एकड़ भूमि पर जैविक खेती की जा सकती है।

खबर संक्षेप

मदीना में घर के बाहर से बोलेरो गाड़ी चोरी

महम। बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र के गांव मदीना में मकान के बाहर से एक व्यक्ति की बोलेरो गाड़ी चोरी हो गई। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में मदीना कोरसान गांव निवासी धर्मेंद्र पुत्र खुशीराम ने बताया कि उसने अपने घर के बाहर अपनी सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी खड़ी की थी। सुबह तीन बजे जब उसने अपनी गाड़ी को चैक किया तो वह वहां पर नहीं मिली। उसने आस पड़ोस और गांव में उसकी खोजबीन की। लेकिन गाड़ी नहीं मिली। कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी गाड़ी को चोरी करके ले गया है। चोर का पता लगाकर उससे उसकी गाड़ी बरामद की जाए और चोर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

शराब पीकर झगड़ा कर रहे तीन व्यक्ति काबू

महम। दिल्ली हिसार हाइवे पर महम बाइपास एरिया में तिरंगा होटल के पास तीन व्यक्ति शराब पीकर आपस में झगड़ा कर रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों को काबू कर लिया और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपितों की पहचान भिवानी जिला के गांव भैणी जाटान निवासी अरविंद कुमार पुत्र रोशन लाल, हांसी जिला के सोरखी गांव निवासी भूपेंद्र राणा पुत्र राममेहर और खेड़ी महम गांव निवासी सचिन पुत्र बिजेंद्र के रूप में हुई है।

घर नहीं पहुंचा युवक गुमशुदगी का केस दर्ज

सांपला। यूपी के जिला ईटावा के गांव थररी निवासी युवक घर नहीं पहुंचा। पुलिस ने अर्जुन सिंह के बयान पर गुमशुदा का मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि उसका 16 वर्षिय लड़का विपीन तीन जून को रेल में यूपी घर के लिए निकला था। अब तक नहीं पहुंचा।

कंस्ट्रक्शन साइट से लोहे का सामान चोरी

महम। गांव लाखन माजरा में कंस्ट्रक्शन साइट से लोहे का सामान चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को दी शिकायत में जींद जिला के गांव बुढ़ा खेड़ा निवासी अनुप पुत्र बलवान ने बताया कि वह कंस्ट्रक्शन साइट पर लेंटर डालने का काम करता है। उसने लाखन माजरा में बाइपास पर लेंटर डालने का ठेका ले रखा है। उसने अपनी लिफ्ट मशीन यहां साइट पर खड़ी कर रखी थी। सुबह जब वह साइट पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी लिफ्ट मशीन से 12 चैनल, एक हुक चकली और कुछ सेटरिंग प्लेट चोरी हुई मिली। कोई अज्ञात व्यक्ति यह सामान चोरी कर ले गया।

एमडीयू में यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा आज से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाएं 10 जून से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों को परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। परीक्षा प्रातः 10 बजे से 11:15 बजे तक आयोजित होगी। इसके बाद बीएससी (जेनेटिक्स) की परीक्षा दोपहर 12:30 बजे से 1:45 बजे तक तथा चार वर्षीय बीकॉम पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा दोपहर 3 बजे से 4:15 बजे तक होगी।

वैश्य महाविद्यालय सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बोले केंद्रीय मंत्री

विकसित भारत-2047 के लिए सभी को देनी होगी पूर्ण आहुति: सिंधिया

■ भारत की सुरक्षा और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता: सिंधिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने स्थिरता और परिवर्तन का अभूतपूर्व दौर देखा है। यही कारण है कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और तेजी से उभरती हुई शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के 140 करोड़ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी पूर्ण आहुति देनी होगी। सिंधिया मंगलवार को वैश्य महाविद्यालय सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा रोपा गया शिक्षा का पौधा आज वटवृक्ष बन चुका है और लाखों विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में महात्मा गांधी द्वारा स्थापित संस्थाओं में रोहतक की वैश्य शिक्षण संस्था का विशेष स्थान है। उन्होंने कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच विकास भी, विरासत भी के मंत्र पर आधारित है। सिंधिया ने कहा कि भारत की सुरक्षा और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उड़ी सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने में सक्षम है। दूरसंचार क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए सिंधिया ने कहा कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 25 करोड़ से बढ़कर 103 करोड़ हो गई है, जबकि ब्रॉडबैंड कनेक्शन 101 करोड़ तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में सबसे सस्ता डेटा उपलब्ध कराने वाला देश बन चुका है। सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुने गए नेताओं में नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक निरंतर सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन चुके हैं। सिंधिया ने कहा कि सामान्यतः स्थिरता और व्यापक परिवर्तन एक साथ देखने को नहीं मिलते, लेकिन मोदी सरकार ने दोनों को संभव बनाया है। उनके नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकास की गति लगातार बढ़ी है।

एलिवेटेड रेलवे कॉरिडोर का अवलोकन किया

मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने रोहतक-पानीपत रेलखंड पर बना देश का पहला एलिवेटेड रेलवे कॉरिडोर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि लगभग पांच किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट से शहर के पांच प्रमुख रेलवे फाटक समाप्त हो गए हैं, जिससे करीब 50 हजार से अधिक लोगों को जाम से स्थायी राहत मिली है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने अंबेडकर चौक पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से संवाद कर उन्हें स्वच्छता अभियान की रीढ़ बताया।

केंद्रीय मंत्री का सम्मान किया

इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। वहीं पूर्व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि सिंधिया परिवार का हरियाणा और विशेष रूप से पानीपत के इतिहास से गहरा संबंध रहा है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका, मेयर रामअवतार वाल्मीकि, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री का पगड़ी, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

यूएचएसआर के प्रोफेसर डॉ. अमरीश भगोल को ब्रिटेन में मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान, बने विजिटिंग प्रोफेसर

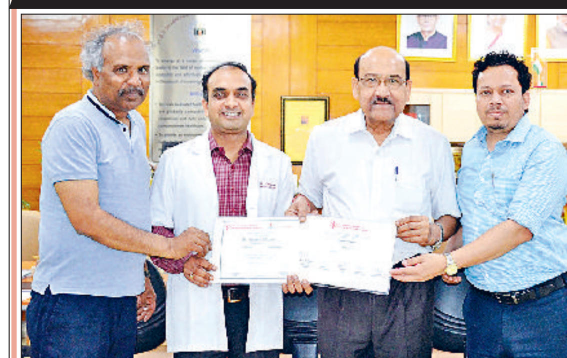

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएचएसआर) के लिए गर्व का क्षण तब आया जब ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अमरीश भगोल को ब्रिटेन में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय यात्रा फेलोशिप और विजिटिंग प्रोफेसर का सम्मान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने इसे पूरे विश्वविद्यालय के लिए अंतरराष्ट्रीय गौरव का क्षण बताया।डॉ. अमरीश भगोल ने बताया कि उनका चयन एओएमएसआई और आईएओएमएस द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय यात्रा फेलोशिप के लिए हुआ। यह फेलोशिप देश के ओरल सर्जनों के लिए सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी अवसरों में से एक मानी जाती है। इस वर्ष देशभर से 62 सर्जनों ने आवेदन किया था। दो चरणों की कठिन राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद उनका चयन हुआ और उन्होंने फेलोशिप सफलतापूर्वक पूरी की। फेलोशिप के दौरान डॉ. भगोल ने यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो स्थित क्वीन एलिजाबेथ यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां उन्होंने चेहरे और जबड़े की चोटों, सिर एवं गर्दन के कैंसर, जन्मजात विकृतियों तथा पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा की आधुनिक तकनीकों का गहन अध्ययन किया। उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक और शोध कार्यों को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने उन्हें विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में भी मान्यता प्रदान की। डॉ. भगोल जैसे संकाय सदस्य विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी ताकत कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने कहा कि डॉ. भगोल जैसे संकाय सदस्य विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी ताकत हैं। इस उपलब्धि पर पीजीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, दंत विज्ञान संस्थान की प्राचार्य डॉ. मनु राठी तथा विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र ने उन्हें बधाई दी। डॉ. भगोल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुओं, सहकर्मियों और विश्वविद्यालय प्रशासन को देते हुए कहा कि वह फेलोशिप से प्राप्त ज्ञान को युवा सर्जनों तक पहुंचाकर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और चिकित्सीय उत्कृष्टता को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। यह उपलब्धि हरियाणा और भारतीय ओरल सर्जरी समुदाय के लिए गर्व की बात है।

एमडीयू ने रिमोट सेंसिंग-जीआईएस व आईपीआर डिप्लोमा की डेटशीट जारी, 20 जून से परीक्षा

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने पीजी डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस (द्वितीय सेमेस्टर) तथा डिप्लोमा इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) द्वितीय सेमेस्टर (री-अपीयर) की मई-जून 2026 परीक्षाओं की थ्योरी डेटशीट जारी कर दी है। परीक्षाएं 20 जून से शुरू होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि पीजी डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 जून को एप्लीकेशंस ऑफ रिमोट सेंसिंग, 22 जून को फंडामेंटल्स ऑफ डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग तथा 24 जून को एप्लीकेशंस ऑफ जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम विषय की होंगी। वहीं, डिप्लोमा इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) द्वितीय सेमेस्टर (केवल री-अपीयर) की परीक्षा 20 जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होंगी। यूटीडी विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र आईएचटीएम-एमडीयू हेगा, जबकि कॉलेज विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड में दर्शाए गए केंद्र पर परीक्षा देनी होगी।

20 जून तक बढ़ाई मर्सी चांस आवेदन की अंतिम तिथि

» मर्सी चांस योजना के तहत ऐसे छात्र-छात्राओं को अपनी अधूरी डिग्री पूरी करने का अवसर मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने मर्सी चांस योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 20 जून कर दी है। इससे वे विद्यार्थी भी आवेदन कर सकेंगे जो निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन नहीं कर पाए थे। मर्सी चांस योजना के तहत ऐसे छात्र-छात्राओं को अपनी अधूरी डिग्री पूरी करने का अवसर मिलेगा, जिनकी पढ़ाई या परीक्षा किसी कारणवश अधूरी रह गई थी। इसके अलावा विद्यार्थियों को अपने अंकों में सुधार (इम्प्रूवमेंट) का मौका भी दिया जाएगा। हालांकि बीएड पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को अंक सुधार की सुविधा का लाभ नहीं मिलेगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि वर्ष 2001 के बाद विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थी इस योजना के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में पुराने मामलों पर भी कुलपति द्वारा गठित समिति विचार कर सकती है। उन्होंने बताया कि मर्सी चांस के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जून तक जारी रहेगी, जबकि संबंधित परीक्षाएं अगस्त 2026 में विश्वविद्यालय परिसर में ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। मर्सी चांस योजना और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी एमडीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह निर्णय उन हजारों विद्यार्थियों के लिए राहत लेकर आया है जो लंबे समय से अपनी डिग्री पूर्ण करने या परीक्षा परिणाम में सुधार का अवसर मिलने का इंतजार कर रहे थे।

एमडीयू के डॉ. मनोज कुमार ने एआईएमटी ग्रेटर नोएडा में दिया विशेषज्ञ व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के वाणिज्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार ने आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (एआईएमटी), ग्रेटर नोएडा में आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। मंगलवार को को आयोजित इस ऑनलाइन सत्र में उन्होंने बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस एंड थीमैटिक रिसर्च मैपिंग विषय पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. मनोज कुमार ने आधुनिक शोध पद्धतियों और रिसर्च एनालिसिस के विभिन्न आयामों पर उपयोगी जानकारी साझा करते हुए प्रतिभागियों को वैज्ञानिक शोध डेटा के विश्लेषण की तकनीकों से अवगत कराया। उन्होंने बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस के माध्यम से बड़े स्तर पर उपलब्ध वैज्ञानिक शोध सामग्री के मूल्यांकन, कंटेंट एनालिसिस द्वारा शोध प्रवृत्तियों की व्यवस्थित समीक्षा, को-साइटेशन एनालिसिस के जरिए अकादमिक साहित्य में विषयगत संबंधों की पहचान तथा थीमैटिक एनालिसिस के माध्यम से व्यापक शोध क्षेत्रों की मैपिंग और विजुअलाइजेशन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में देशभर के शिक्षकों और शोधार्थियों ने ऑनलाइन भागीदारी की।

नाटक 'बियोंड द इमेजिनेशन' के तीन दिवसीय शो शुरू

सुपवा के मंच पर जीवंत हुआ पहचान का संकट

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में मंगलवार को नाटक 'बियोंड द इमेजिनेशन' का तीन दिवसीय मंचन शुरू हो गया। पहले दिन इसके दो शो किए गए। जिसमें आधुनिक भागदौड़ के बीच इंसान की पहचान के संकट को कलाकारों ने मंच पर जीवंत किया। 'बियोंड द इमेजिनेशन' का बुधवार को एक और गुरुवार को दो शो छात्रों द्वारा किए जाएंगे। इस दौरान वेंचर कैपिटलिस्ट एवं एवीपीएल इंटरनेशनल के फाउंडर चेयरमैन दीप सिसाय व ओटीटी प्लेटफॉर्म चौपाल ऐप के हरियाणा हैड विनय लाठर बतौर अतिथि मौजूद रहे। सुपवा पहुंचने पर पारंपरिक हरियाणवी अंदाज में उनका स्वागत किया गया। नाटक 'बियोंड द इमेजिनेशन' का मंचन फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के एक्टिंग डिपार्टमेंट के छात्रों ने मिनी ऑडिटोरियम में किया। यह प्रसिद्ध मराठी नाटक प्रतिबिंब पर आधारित है, जिसे जाने-माने लेखक, साहित्यकार महेश एलकुंचवार ने लिखा है। नाटक में महानगरीय जीवन में व्यक्ति की पहचान, अकेलेपन, आत्म-संघर्ष और मानसिक विखंडन का बखूबी मंचन किया गया। एक्टिंग के चौथे सेमेस्टर के छात्र भारती, प्रिंस व पुष्कर इसके मुख्य पात्र रहे। इसका निर्देशन एनएसडी से स्नातक सुशील कांत ने किया, जबकि प्रॉडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी बिपिन गोबाले ने संभाली।

■ आज व कल भी एफटीवी के मिनी ऑडिटोरियम में चलेंगे शो

ये मौजूद रहे

इस दौरान डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. अजय कौशिक, एफटीवी के एफसी महेश टीपी, विजुअल आर्ट्स के एफसी विनय कुमार व डिजाइन फैकेल्टी की एफसी डॉ. शैली खन्ना मौजूद रहे।

एमडीयू कुलपति ने रिसर्च, स्टार्टअप व एआई आधारित शिक्षा पर जोर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में विद्यार्थियों को रिसर्च, स्टार्टअप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ने की दिशा में पहल तेज की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियां ने मंगलवार को लाइफ साइंसेज फैकल्टी का दौरा कर शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ संवाद किया तथा छात्र-केंद्रित शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान कुलपति ने सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर माइक्रोबायोलॉजी और सेंटर फॉर बायोइनफॉर्मेटिक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों के रिसर्च एक्सपोजर को बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर बल दिया। प्रो. मिलाप पूनियां ने कहा कि विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था को अधिक स्टूडेंट सेंट्रिक बनाया जाएगा। इसके लिए विभागों में नियमित रूप से वर्कशॉप, इंडस्ट्री और रिसर्च लैब विजिट, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम तथा विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जाएं। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म लक्ष्य निर्धारित करने के भी निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि लाइफ साइंसेज का क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और अब केवल पारंपरिक अध्ययन पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता है, ताकि वे रोजगार और शोध के नए अवसरों के लिए खुद को तैयार कर सकें।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज की डीन प्रो. मीनाक्षी वशिष्ठ, सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी की निदेशक प्रो. रितु गिल, सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. हरि मोहन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की निदेशक डॉ. पूजा सुनेजा तथा बायोइनफॉर्मेटिक्स विभाग की निदेशक डॉ. महक दांगी सहित अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने किया पहला एक्स-रे

पीजीआईएमएस में एआई आधारित टीबी स्क्रीनिंग की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारत को क्षय रोग (टीबी) मुक्त बनाने की दिशा में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं पीजीआईएमएस रोहतक ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंगलवार को कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने इनडोर मरीजों की टीबी स्क्रीनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से पहला एक्स-रे किया। यह अभियान राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुरू किया गया है।वार्ड-9 से शुरू हुए इस विशेष अभियान में कुलपति डॉ. अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की नियमित टीबी जांच संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि समय रहते टीबी की पहचान हो जाए तो न केवल मरीज का बेहतर इलाज संभव है, बल्कि कई अन्य लोगों को भी संक्रमण से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि रोग को जड़ से समाप्त करने की दिशा में भी कार्य करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पीजीआईएमएस निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने घोषणा की कि संस्थान के प्रत्येक वार्ड में संदिग्ध टीबी मरीजों के लिए दो आइसोलेशन बेड स्थापित किए जाएंगे। जांच रिपोर्ट आने तक मरीजों को इन बेडों पर रखा जाएगा और पुष्टि होने पर उन्हें टीबी वार्ड में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे अन्य मरीजों को संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सकेगा।स्टेट टास्क फोर्स एनटीईपी के अध्यक्ष डॉ. ध्रुव चौधरी ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए पीजीआईएमएस को टीबी निदान और प्रबंधन का उत्कृष्ट केंद्र बनाने का सुझाव दिया। वहीं सिविल सर्जन डॉ. कमला वर्मा ने जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

कुछ ही मिनटों में टीबी की आशंका का लगेगा पता

एनटीईपी के नोडल अधिकारी डॉ. विपुल कुमार ने बताया कि हैंडहेल्ड एक्स-रे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित विश्लेषण तकनीक से कुछ ही मिनटों में टीबी की आशंका का पता लगाया जा सकता है। अभियान के पहले दिन 25 मरीजों के एक्स-रे किए गए, जिनमें से दो मरीजों की रिपोर्ट संदिग्ध पाई गई। उन्हें तुरंत आगे की जांच और उपचार के लिए कार्यक्रम से जोड़ दिया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने कहा कि कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल की पहल पर शुरू हुआ यह कार्यक्रम पीजीआईएमएस को टीबी उन्मूलन की राष्ट्रीय मुहिम में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करेगा।

मरीजों को मिले घर जैसा माहौल, वार्डों के सौंदर्यीकरण पर जोर: डॉ. कुंदन मित्तल

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत पीजीआईएमएस रोहतक के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने मंगलवार को स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के वार्ड-2 का औचक निरीक्षण कर मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड की साफ-सफाई, दीवारों, बेड, शौचालयों तथा अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। डॉ. मित्तल ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीज कई दिनों तक उपचाराधीन रहते हैं। ऐसे में अस्पताल का वातावरण ऐसा होना चाहिए कि उन्हें घर जैसा सुकून और सकारात्मक अनुभव मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि वार्ड की दीवारों पर हल्के एवं आकर्षक रंग किए जाएं, जिससे मरीजों को मानसिक शांति मिले और उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया में सहायता हो। रंगों का मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव पड़ता है तथा सुखद वातावरण मरीजों के तनाव को कम करने में सहायक होता है। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधीक्षक ने वार्ड में लगे सभी खराब एयर कंडीशनरों की तुरंत मरम्मत कराने के आदेश भी दिए। कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

सूचना

मैं, जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री भिच्छा निवासी निन्दाना पाना तिगरी, उपतहसील लाखनमाजरा, जिला रोहतक बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अंकित मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, सज्जन कुमार पुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी मकान नंबर-255, खरक जाटान (110), पोस्टऑफिस बैंसी, जिला रोहतक-124514, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र साहिल व पुत्रवधु प्रियंका मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सुरक्षा पर सवाल

रोहतक के डी-पार्क में मंगलवार दोपहर लगी भीषण आग ने शहर की दमकल व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुरुआती तौर पर एक जूतों की दुकान में लगी आग देखते ही देखते आसपास की दुकानों तक फैल गई और करीब 10 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों और व्यापारियों का आरोप है कि सूचना दिए जाने के बावजूद फायर ब्रिगेड की पहली गाड़ी करीब 30 मिनट बाद मौके पर पहुंची, जिससे आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जा सका। व्यापारियों का कहना है कि यदि दमकल विभाग की टीम तुरंत पहुंच जाती तो नुकसान काफी कम हो सकता था। घटना के बाद बाजार के व्यापारियों में रोष है और वे दमकल व्यवस्था को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को खाली करवाने, भीड़ नियंत्रित करने और राहत कार्यों में सहयोग देकर स्थिति संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह हादसा बढ़ती आबादी, ट्रैफिक जाम और सीमित दमकल संसाधनों की चुनौती को भी उजागर करता है।

डी-पार्क अग्निकांड ने खोली इमरजेंसी में सिस्टम की पोल

जाम और संकरी गलियों में छोटी-छोटी दुकानें बढ़ा रही खतरा
बाजारों में आग बुझाने के यंत्र नहीं मौजूद, मॉक ड्रिल भी नहीं होती
प्रमुख बाजारों में दुकानों के पास फायर एनओसी तक नहीं

सब कुछ जलकर राख ...

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

डी-पार्क मार्केट में मंगलवार को हुए भीषण अग्निकांड ने इमरजेंसी में शहर के सिस्टम की पोल खोलकर रख दी है। फायर विभाग की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। व्यापारियों का कहना है कि शुरुआती मिनटों में यदि दमकल विभाग मौके पर पहुंच जाता तो आग को सीमित दायरे में रोका जा सकता था, लेकिन देरी के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और 10 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं और तीन लोगों की मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि एसपी गौरव राजपुरोहित समेत जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अपेक्षाकृत जल्दी मौके पर पहुंच गए, लेकिन आग बुझाने के लिए पर्याप्त दमकल संसाधन समय पर नहीं पहुंच सके। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन की भीड़ नियंत्रण और राहत कार्यों में सक्रिय भूमिका की सराहना की, लेकिन दमकल विभाग की तैयारी और प्रतिक्रिया समय पर सवाल उठाए। शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम, संकरी सड़कें, अतिक्रमण और सीमित दमकल संसाधन ऐसी घटनाओं में बड़ी बाधा बन रहे हैं। 11 लाख से अधिक आबादी वाले जिले में केवल 12 दमकल गाड़ियां होने से आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई प्रभावित होती है। वहीं, डी-पार्क अग्निकांड के बाद शहर के कई बाजारों की सुरक्षा व्यवस्था चर्चा में है। गांधी कैंप, रेलवे रोड, शौरी मार्केट, किला रोड, बड़ा बाजार और गोहाना अड्डा जैसे क्षेत्र आग के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं। इन बाजारों में संकरी गलियां, अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और बिजली की पुरानी वायरिंग बड़ी चुनौती हैं। कई स्थानों पर दमकल वाहनों के प्रवेश के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा मानकों को लागू नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसे हादसे और गंभीर रूप ले सकते हैं। प्रशासन से व्यापक सुरक्षा

दो जगह आगजनी से हजारों का नुकसान

मंगलवार का दिन फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें दिनभर दौड़ती रही। सब्जी मंडी में ट्रांसफार्मर में आग लग गई। जिससे साथ में स्थित दुकान में आग लग गई और सामान जलकर खाक हो गया। एसएचओ सब्जी मंडी राकेश सैनी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया यहां जान माल का नुकसान नहीं है। दूसरी घटना में पालिका बाजार के पास स्थित एक खाली दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया और कोई जान माल का नुकसान नहीं है।

देरी से पहुंची दमकल की गाड़ी

जब फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची, तब तक तीन दुकानें आग की चपेट में आ चुकी थी। दूसरी गाड़ी आने में 50 मिनट का समय लग गया। अगर समय पर मदद मिल जाती तो इतना बड़ा हादसा होने से बच सकता था। पुलिस के अलावा आसपास के लोगों और पुलिस प्रशासन ने भी मदद की। सरकार को पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए। - **गुलशन डंग,** प्रदेशाध्यक्ष राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन

जल्द मुआवजा देने की मांग

डी-पार्क मॉडल टाउन में हुई आगजनी की घटना को दुखद बताया। उन्होंने प्रभावित व्यापारियों को जल्द मुआवजा देने की मांग की और प्रशासन से नुकसान का शीघ्र आकलन करने की अपील की। सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण रखने और नियमित जांच कराने का आग्रह भी किया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से नुकसान को कम किया जा सके। **-हेमन्त बक्शी** अध्यक्ष रोहतक ट्रेडर्स एसोसिएशन, रोहतक

बहुत बड़ा नुकसान हुआ

डी पार्क पर दुकानों में लगी आग में बहुत बड़ा नुकसान हो गया। पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। बहुत ही दुखद घटना हुई है। सरकार को पीड़ितों के लिए मुआवजा जारी करना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटना न हो इतजाम किया जाए। **-गुलशन निंझावन,** प्रधान पालिक बाजार

पीड़ित परिवारों को मिले मदद

डी पार्क पर भीषण आग लगने के कारण हुई जनहानि बहुत दुखद है, ऐसा भीषण हादसा बहुत दुखदाई है। मेरी संवेदनाएं परिवारों के साथ है। पीड़ित परिवारों को मदद मिलनी चाहिए। इस प्रकार की दुखद घटनाएं पूरे समाज को झकझोर देती हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। **-डॉ अशोक कुमार रंगा,** जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) भाजपा रोहतक

घटना स्थल पर पहुंचे आलाधिकारी ...

नुकसान की भरपाई करे सरकार: दीपेन्द्र

फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने और पहले सिर्फ एक ही गाड़ी आने के कारणों की जांच हो, जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करें

हताहत लोगों के परिवार को मिले सरकारी नौकरी

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा डी-पार्क इलाके में भीषण अग्निकांड की सूचना मिलते ही तुरंत दिल्ली से रवाना हुए और सीधे घटनास्थल पर जाकर पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा रोहतक एक साथ खड़ा है। उन्होंने हादसे से दुकानदारों को हुए नुकसान का जायजा लिया और मौके पर डीसी रोहतक, एसपी रोहतक को तलब करके राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की व जरूरी दिशा-निर्देश दिए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार इस अग्निकांड में हताहत लोगों के परिवार को सरकारी नौकरी, प्रभावित दुकानदारों को बिल्डिंग, दुकान और दुकानों में रखे सामान का शत प्रतिशत मुआवजा देकर उनके नुकसान की भरपाई करे। साथ ही, कहीं किसी को चोट पहुंची है या जान का नुकसान हुआ है तो उनको मुआवजा दिया जाए और आग लगने के कारणों की जांच करके भविष्य में ऐसा हादसा न हो इसके लिए

प्रभावी कदम उठाए। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा को स्थानीय लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटना के बाद काफी देर से आई, इसके कारण आग ने विकराल रूप ले लिया और करीब 10-11 दुकानें इसकी चपेट में आ गई। लोगों ने कहा कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती, तो नुकसान काफी हद तक कम किया जा सकता था। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इस भयंकर गर्मी को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में फायर

सरकार दुकानदारों के साथ : ग्रोवर

पूर्व मंत्री बोले, गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। ऐसी घटनाओं की रोकथाम को प्रभावी व्यवस्थाएं बनाएं

आग पर काबू पाने के प्रयासों में सहयोग किया

आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही भाजपा के पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर मौके पर पहुंचे और लगभग 6 घंटे से अधिक समय तक घटनास्थल पर मौजूद रहकर स्थिति का जायजा लेते रहे। आगजनी की इस घटना से वे बेहद दुखी नजर आए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली तथा प्रभावित दुकानदारों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया। दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने प्रशासन के साथ मिलकर आग पर काबू पाने के प्रयासों में सहयोग किया। उन्होंने पीड़ित दुकानदारों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में सरकार और प्रशासन उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह आगजनी की घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। ग्रोवर ने दुकानदारों से अपील की कि गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी

बरतें और सुरक्षा उपायों का पालन करें। साथ ही उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चर्चा कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम तथा आपात स्थिति में त्वरित नियंत्रण के लिए प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

धुएं की चादर में घिरा शहर : तीन किमी तक फैला जहरीला धुआं

जलते जूतों और चमड़े की तीखी गंध वातावरण में फैली, मॉडल टाउन सहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों को सांस लेने में दिक्कत

रोहतक। डी-पार्क स्थित जूतों के शोरूम और आसपास की दुकानों में लगी भीषण आग का असर केवल दुकानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके बाद फैले जहरीले धुएं ने आसपास के हजारों लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित कर दिया। आग में बड़ी मात्रा में चमड़े, रबर, प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री के जलने से निकला घना धुआं करीब तीन किलोमीटर के दायरे में फैल गया, जिससे पूरे इलाके में भय और बेचैनी का माहौल बन गया। घटनास्थल के आसपास स्थित मॉडल टाउन, डी-पार्क और अन्य रिहायशी क्षेत्रों में दोपहर से ही धुएं की मोटी परत छाई रही। हवा के साथ फैल रहे धुएं और तीखी गंध के कारण लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों, बच्चों और पहले से श्वास संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को हुई। स्थानीय निवासियों के अनुसार कई बुजुर्गों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद करने के बावजूद धुएं की गंध कम नहीं हो रही थी। कई परिवारों ने बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने का प्रयास किया। क्षेत्र में हर तरफ केवल धुआं और आग की भयावह तस्वीरें ही दिखाई दे रही थीं। उधर, आग में लोगों के फंसे होने और संभावित मौतों की खबरों ने माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। जैसे-जैसे हादसे की जानकारी फैलती गई, लोगों की चिंता और बढ़ती गई। घटनास्थल के आसपास बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों और परिचितों की कुशलक्षेम जानने के लिए जुटे रहे। चमड़े, रबर और सिंथेटिक सामग्री के जलने से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक होता है। ऐसे धुएं के लंबे समय तक संपर्क में रहने से सांस संबंधी रोगियों की परेशानी बढ़ सकती है। यही कारण रहा कि अस्थमा और अन्य श्वास रोगों से पीड़ित लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। अग्निकांड ने जहां व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, वहीं इसके बाद फैले जहरीले धुएं ने पूरे इलाके को चिंता और भय के साये में ला खड़ा किया है। आग की लपटें भले ही धीरे-धीरे शांत हो रही हों, लेकिन धुएं से उपजी परेशानी और लोगों के मन में बैठा डर अभी भी बरकरार है।